



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-Section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 232]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 19, 1979/आषाढ़ 28, 1901

No. 232]

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 19, 1979/ASADHA 28, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

प्रादेश

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 1979

सा० का० नि० 449अ(ब)(ई)/आ० वस्तु/शर्करा—केंद्रीय सरकार, शर्करा (नियंत्रण) प्रादेश, 1966 के खण्ड 5 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के कृषि और सिंचाई मंत्रालय (खाद्य विभाग) के प्रादेश सं० सा० का० नि० 28(अ०)/आ० वस्तु/शर्करा तारीख 16-1-79 को अधिकांत करने हुए निदेश देती है कि,—

(1) निम्नलिखित स्थानों में कोई भी मान्यताप्राप्त व्यवहारी किसी एक समय पर स्टॉक में उतने परिमाण से अधिक निर्वात कड़ाह शर्करा (बैक्यूम पैन शुगर) नहीं रखेगा जितनी हर एक के सामने वर्णित है,—

(1) कलकत्ता और विस्तारित क्षेत्र में—

(क) मान्यताप्राप्त व्यवहारी, जो पश्चिमी बंगाल के बाहर से शर्करा आयात करते हैं—7,500 क्विंटल ;

(ख) अन्य मान्यता प्राप्त व्यवहारी—1,500 क्विंटल ;

(2) अन्य स्थानों में—

(क) पांच लाख या अधिक की जनसंख्या वाले शहरों और नगरों में— 1,500 क्विंटल ;

(ख) एक लाख और अधिक किन्तु पांच लाख से कम की जनसंख्या वाले शहरों और नगरों में—750 क्विंटल ;

(ग) एक लाख से कम जनसंख्या वाले अन्य नगरों में—375 क्विंटल

परन्तु इस प्रादेश की कोई बात निम्नलिखित द्वारा रखे गए शर्करा के स्टॉक को लागू नहीं होगी :

(1) सरकार की ओर से रखा गया स्टॉक; अथवा

(2) राज्य सरकार द्वारा या उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा नाम-निर्देशित किसी मान्यताप्राप्त व्यवहारी द्वारा उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से वितरण के लिए रखा गया स्टॉक; अथवा

(3) भारतीय खाद्य निगम द्वारा रखा गया स्टॉक ।

स्पष्टीकरण—इस प्रादेश के प्रयोजन के लिए “कलकत्ता और विस्तारित क्षेत्र” से वे क्षेत्र अभिप्रेत हैं जो पश्चिमी बंगाल सरकार की अधिसूचना संख्या 7752-एफ० एम०/एफ० एस०/14 धार 92/64 तारीख 16 दिसम्बर, 1964 में विनिर्दिष्ट हैं ;

(2) कोई भी मान्यताप्राप्त व्यवहारी किसी भी समय दो हजार पांच सौ क्विंटल से अधिक खण्डकारी (ग्रोव पैन शुगर) का स्टॉक नहीं रखेगा ।

[सं० 1/23/79-एम० पी० वॉई (डेस्क II)]

सी० एन० राघवन, सयुक्त-तलिव

## MINISTRY OF AGRICULTURE &amp; IRRIGATION

(Department of Food)

## ORDER

New Delhi, the 19th July, 1979.

**G.S.R. 449(E)/Ess. Com./Sugar.**—In exercise of the powers conferred by clause 5 of the Sugar (Control) Order, 1966, and in supersession of the Order of the Government of India in the Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Food) No. G.S.R. 28(E)/Ess. Com./Sugar, dated the 16th January, 1979, the Central Government hereby directs that,—

- (i) no recognised dealers in the places mentioned below shall keep in stock at any time vacuum pan sugar in excess of the quantities mentioned against each,—
- (1) in Calcutta and extended area—
  - (a) recognised dealers who import sugar from outside West Bengal—7,500 quintals ;
  - (b) other recognised dealers—1,500 quintals ;
- (2) in other places—
  - (a) in cities and towns with a population of five lakhs or more—1,500 quintals ;

- (b) in cities and towns with a population of one lakh and more, but less than five lakhs—750 quintals ;
- (c) in other towns with a population of less than one lakh—375 quintals ;

Provided that nothing in this Order shall apply to the holding of stocks of sugar—

- (i) on Government account ; or
- (ii) by the recognised dealers nominated by a State Government or an officer authorised by it to hold such stock for distribution through fair price shops ; or
- (iii) by the Food Corporation of India.

**Explanation :—**For the purpose of this Order, "Calcutta and extended area" means the areas specified in the Schedule to the notification of the Government of West Bengal No. 7752 F. S./F. S./1 R. 92/61, dated the 16th December, 1964 ;

- (ii) no recognised dealer shall keep in stock at any time khandsari (open pan sugar) in excess of two thousand five hundred quintals.

[No. 1-23/79-SPY (Desk-II)]

C. N. RAGHAVAN, Jt. Secy.